

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024 **जेनी एरपेनबेक** द्वारा लिखित और **माइकल हॉफमैन** द्वारा अनुवादित "**कैरोस**" को प्रदान किया गया।

- अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, जिसे पहले **मैन बुकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार** के नाम से जाना जाता था, वर्ष 2005 में प्रारंभ किया गया था, यह अंग्रेजी में अनुवादित और **यूनाइटेड किंगडम** या **आयरलैंड** में प्रकाशित एक पुस्तक के लिये प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
 - इस **पुरस्कार का उद्देश्य वैश्विक कथा साहित्य को बढ़ावा देना** और अनुवादकों के कार्य की सराहना करना है।
- **पुरस्कार राशि**: इस पुरस्कार में 50,000 पाउंड (64,000 अमेरिकी डॉलर) की धनराशि दी जाती है, जिसे लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया जाता है।
 - शॉर्टलिस्ट किये गए लेखकों और अनुवादकों में से प्रत्येक को सांत्वना स्वरुप 2,500 पाउंड दिये जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने वाले भारतीय:

वर्ष	लेखक	कार्य
1971	वी. एस. नायपॉल	इन अ फ्री स्टेट
1981	सलमान रुश्दी	नाइट्स चलिड्रेन
1997	अरुंधती रॉय	द गॉड ऑफ़ समॉल थिंग्स
2006	करिण देसाई	द इनहेरिटेंस लॉस
2008	अरविंद अडिगि	द वाइट टाइगर
2022	गीतांजलि शिरी	टॉम्ब ऑफ़ सैंड

और पढ़ें: [टॉम्ब ऑफ़ सैंड ने जीता अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार](#)